NASA में भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षित करेगा अमेरिका

[स्रोत: द हिंदू](#)

[राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन](#) **(National Aeronautics and Space Administration- NASA)** ने कहा है कि वह भारत के साथ सहयोग बढ़ाएगा, जिसमें [अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन](#) (International Space Station- ISS) पर एक संयुक्त परियोजना शामिल होगी जिसमें एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री भी शामिल होगा।

- दोनों देशों ने **मानव अंतरिक्ष उड़ान सहयोग के लिये एक रणनीतिक रूपरेखा** तैयार की है, जिसमें नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन](#) (Indian Space Research Organisation- ISRO) अंतरिक्ष यात्रियों को उन्नत प्रशिक्षण देना शामिल होगा।
- दोनों देश **लूनर गेटवे कार्यक्रम** में भारत की भागीदारी के लिये भी अवसर तलाश रहे हैं, जो अमेरिका के नेतृत्व में **सहयोगात्मक** [आर्टेमिस कार्यक्रम](#) का हिस्सा है।
- अमेरिका और भारत [नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार](#) **(NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar- NISAR)** के प्रक्षेपण की भी तैयारी कर रहे हैं। यह एक संयुक्त रूप से विकसित उपग्रह है जो [जलवायु परिवर्तन](#) से निपटने के प्रयासों के तहत **हर 12 दिन में दो बार पृथ्वी की सतह का संपूर्ण मानचित्र** तैयार करेगा।
- [महत्त्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी](#) **(initiative on Critical and Emerging Technology- iCET)** पर भारत-अमेरिका पहल मई 2022 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य [कृत्रिम बुद्धिमत्ता,](#) अर्द्धचालक, महत्त्वपूर्ण खनिज, उन्नत दूरसंचार और रक्षा क्षेत्र जैसी महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक सहयोग स्थापित करना है।
    - iCET संवाद 17 जून, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें अमेरिकी अंतरिक्ष बल ने भारतीय स्टार्टअप **14ai और 3rdiTech के** साथ साझेदारी की।

और पढ़ें: [NISAR मिशन](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/us-to-train-indian-astronauts-at-nasa